हिन्दी

(www.tiwariacademy.com)
(स्पर्श) (पाठ 7)(वीरेन डंगवाल – तोप)
(कक्षा 10)

प्रश्न अभ्यास

प्रश्न क :

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(1)

विरासत में मिली चीजों की बड़ी सँभाल क्यों होती है ? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर 1:

विरासत में मिली चीजों की बड़ी सँभाल इसलिए की जाती है कि इनसे हमें हमारे इतिहास के बारे में जानकारी मिलती है । हमारे पूर्वजों की गाथाओं का पता चलता है । ये हमारे लिए अमूल्य धरोहर हैं इसलिए इनको बड़े आदर और सम्मान के साथ रखा जाता है ।

(2)

इस कविता से आपको तोप के विषय में क्या जानकारी मिलती है ?

उत्तर 2:

कविता से हमको तोप के विषय में यह जानकारी मिलती है कि इसने 1857 में अंग्रजों से डटकर मुकाबला किया था उनके छक्के छुड़ा दिए थे । अपने समय में ताकतवर यह तोप आज शांत है और बच्चे उस पर झूलते हैं चिड़ियों ने घोंसले बना लिए हैं ।

(3)

कंपनी बाग में रखी तोप क्या सीख देती है ?

उत्तर 3:

कंपनी बाग में रखी तोप यही सीख देती है कोई कितना भी बड़ा ताकत्वर क्यूँ न हो एक न एक दिन उसको भी समय की मार झेलनी पड़ती है ।

(4)

कविता में तोप को दो बार चमकाने की बात की गई है। वे दो अवसर कौन से होंगे ?

उत्तर 4:

तोप को दो बार चमकाने के अवसर 15 अगस्त जब हमारा देश आजाद हुआ था और दूसरा छब्बीस जनवरी जब हमारे देश का संविधान लागू हुआ था ।

प्रश्न ख:

निम्नलिखित का भाव स्पष्ट कीजिए ।

(1).

अब तो बहरहाल
छोटे लड़कों की घुड़सवारी से अगर यह
फ़ारिग हो
तो उसके ऊपर बैठकर
चिड़ियाँ ही अकसर करती हैं गपशप।

उत्तर 1:

कविता में तोप की वर्तमान स्थिति के बारे में बताया गया है कि जिस तोप ने 1857 में अंग्रजों को हिला दिया था । आज उस तोप की नाल पर बैठकर बच्चे घुड़सवारी करते हैं । और जब यह कभी अकेली हो तों चिड़ियॉ इस पर बैठकर गपशप करत नजर आती हैं ।

(2).

वे बताती हैं कि दरअसल कितनी भी बड़ी हो तोप
एक दिन तो होना ही है उसका मुँह बंद।

उत्तर 2:

कभी विनाश का पर्याय मानी जाने वाली आज लाचार की तरह खड़ी है जो यह बताने के लिए काफी है कि कोई कितना भी बड़ा ताकतवर क्यूँ न हों एक न एक दिन उसका भी अस्तित्व समाप्त हो जाता है ।

(3).

उड़ा दिए थे मैंने
अच्छे–अच्छे सूरमाओं के धज्जे।

उत्तर 3:

आज शांत खड़ी तोप अपना इतिहास बताते हुए कहती है कि समय कितना भी क्यूँ न बदल गया हो लेकिन यह सच है कि मैंने अपने समय में अच्छे–अच्छे सूरमाओं के छक्के छुड़ा दिए थे ।